Mar Thoma Residential School, Thiruvalla

Second Terminal Examination

हिन्दी

Std. IX 46 | Time - 3 hrs. Marks - 80

Attempt all questions from section A.

Section A [40]

I. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर एक प्रस्ताव लिखिए। [200 शब्दों में] [12]

1. विज्ञान वरदान या अभिशाप
2. परिश्रम का महत्व
3. विद्यार्थी और अनुशासन
4. प्रदूषण
5. पुस्तकालय

II निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। [8]

i. विद्यालय परिसर में अनुचित भाषा का प्रयोग किए जाने की शिकायत हेतु प्रधानाध्यापक को पत्र।

ii दोस्तों के साथ की गई यात्रा का वर्णन करते हुए अपनी माताजी को पत्र।

III निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

विदिशा नामक राज्य में एक सुरम्य वन था। उस वन का प्राकृतिक सौन्दर्य देखने योग्य था। उसकी प्राकृतिक छटा देखकर ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने उस वन को अपूर्व सौन्दर्य, असीम सुख

Scanned by CamScanner

और अनुपम शांति का वरदान दिया हो।

उस वन में एक दयालु एवं परोपकारी संत का आश्रम था। आश्रम में एक बहुत बड़ा सरोवर था। वन के हिंसक और अहिंसक सभी पशु-पक्षी उस आश्रम में विश्राम करते थे। जंगल के हिंसक जीव-जंतु संत की संगति में पारस्परिक शत्रुता को भूलकर उस सरोवर में एक साथ पानी पीते थे। राजा के आदेश से वहाँ शिकार करने पर कठो प्रतिबन्ध था।

एक दिन राजा का एकमात्र पुत्र युवराज शिकार की तलाश में आश्र में आ पहुँचा। वहाँ उसने एक मृगशावक पर निशाना साधा। यह दृश्य देखक संत बोला — "ठहरो युवराज! आपके पिताजी की ओर से यहाँ शिकार क पर प्रतिबन्ध है। आप उनके आदेश का उल्लंघन मत कीजिए।"

युवराज को संत की सलाह बुरी लगी। उसने क्रोध में आकर कह 'मुझे आखेट से रोकने वाले तुम कौन हो?' संत ने विनम्र भाव से कह यह राज्य आपका है। मैं तो आपके पिता के आदेश का स्मरण करा र हूँ। संत की बात को अनसुना कर युवराज निशाना साधने लगा। इस संत बाण के सामने खड़े हो कर बोले- 'नहीं, युवराज! मुझे मारने के बाद ही मृगशावक को निशाना बना सकते हो।' संत की बातों ने आग में घी का काम किया। युवराज क्रोध से आग बबूला हो उठ और संत को बाण का निशाना बना डाला।

संत की मृत्यु से सारा राज्य शोक मे डूब गया। राजा ने युव को बन्दी बना लाने का आदेश दिया। राजा ने पूछा - 'तुमने संत हत्या की?' 'वह उदण्ड था, मेरे शिकार में बाधा डाल रहा था' यु ने उत्तर दिया। राजा ने कठोर स्वर में पूछा- तुमने हत्या या नहीं?' युवराज ने उत्तर दिया - 'हाँ, मैंने ही उसकी हत्या

Scanned by CamScanner

युवराज का उत्तर सुनते ही राजा का हाथ तलवार पर गया। यह देख दरबारी हाथ जोड़कर बोले - 'राजन्! युवराज प्रजा की आँखों का तारा है। सिंहासन का एकमात्र अधिकारी है इसलिए इन्हें क्षमा कर दें।' राजा ने कहा - 'जो व्यक्ति एक त्यागी संत का हत्यारा हो सकता है, वह सिंहासन का उत्तराधिकारी नहीं हो सकता। राज्य का हर सपूत - जिससे राज्य का सिर ऊँचा होता है, सिंहासन का उत्तराधिकारी होता है। न्याय सबके लिए समान है। मेरे न्याय में पुत्र मोह बाधा नहीं बनेगा। वह हत्यारा है और हत्यारे की सजा मौत होती है।' और देखते ही देखते राजा की तलवार से युवराज का सिर धड़ से अलग हो गया।

[12]

1. विदिशा राज्य का युवराज कैसा था?
2. संत का आश्रम कहाँ था? उस आश्रम की क्या विशेषताएँ थी?
3. युवराज का संत के आश्रम में आने का क्या प्रयोजन था? आश्रम में आकर उसने क्या किया? संत ने उसे क्या कहा?
4. युवराज ने संत को क्यों मार डाला? युवराज का यह करना उचित था या अनुचित, क्यों?
5. संत की मृत्यु से राज्य पर क्या प्रभाव हुआ? राजा ने युवराज को बन्दी बना कर क्या प्रश्न किए? युवराज ने क्या उत्तर दिए?
6. युवराज के उत्तर को सुनकर राजा क्या करना चाहता था? दरबारियों ने राजा से क्या निवेदन किया? राजा ने दरबारियों से क्या कहा और अंत में क्या न्याय किया?

V निर्देशानुसार लिखिए :- [8]

1. निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए -

1. हृदय 2. दिन

Scanned by CamScanner

2. विलोम शब्द लिखिए -

1. दुर्बल 2. पक्ष

3. लिंग बदलिए -

1. देवर 2 धनवान

4. वाक्य शुद्ध कीजिए -

1. माताजी खाना बना रहा है।

2. मैंने तेरे को कल बुलाया था।

5. मुहावरों को वाक्य में प्रयोग कीजिए -

1. आसमान सिर पर उठाना

2. कोल्हू का बैल

6. पर्याय लिखिए :-

1. हृदय 2. शरीर

Section - B [40]

Answer any Four from this section.

नया रास्ता

दिए गए गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

V "शाम के छः बज चुके थे। वह वहाँ से उठ खड़ी हुई और होस्टल पहुँच गई। माया ने उसके उदास चेहरे को देखकर समझा कि शायद तबीयत ठीक नहीं है।"

1. 'वह' सर्वनाम का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? वह किस कार्यक्रम की तैयारी कर रही थी ?

2. 'उसकी' उदासी का क्या कारण था ? समझाकर बताइए।

Scanned by CamScanner

3. माया कौन है? उसकी स्वभावगत विशेषताओं के विषय में लिखिए।
4. किसकी तबीयत खराब थी? माया ने 'उसे' क्या कहकर कहाँ जाने से रोका

VI. "धनीमलजी ने कहा, "भाई साहब, शादी में सिर्फ एक महीना रह गया है। मैंने सोचा, कुछ लेन-देन के बारे में बात कर आऊँ।"

1. धनीमलजी यहाँ पर क्यों आए है? अपनी बेटी की शादी में उन्होंने कितना खर्च करने की बात की थी?
2. मायाराम जी ने धनीमल की बात का क्या उत्तर दिया? स्पष्ट करो।
3. धनीमल ने सरिता के लिए फ़्लैट खरीदने का क्या तर्क प्रस्तुत किया? क्या मायाराम उनके तर्क से सहमत थे?
4. अमित ने फ्लैट दहेज में देने की बात सुनी तो उसकी क्या प्रतिक्रिया थी? उसकी मनःस्थिति का वर्णन कीजिए।

VII. "यह सुनकर मीनू का हृदय प्रसन्नता से झूम उठा था। घर पहुँचते ही उसने वह पुरस्कार माँ को दिखाया था।"

1. क्या सुनकर मीनू का हृदय प्रसन्नता से झूम उठा था? और क्यों?
2. मीनू को पुरस्कार किसने दिया था और क्यों? समझाकर लिखिए
3. उसने अपना पुरस्कार किसे दिखाया था? उस समय उसकी मनःस्थिति का वर्णन कीजिए।
4. मीनू कल्पनालोक में क्यों खो गई? समझाकर लिखिए।

VIII. "यदि तुम उस नीच कुल की विजातीय भाभी को इस घर में नहीं ला सकी तो जाने से कुछ लाभ न होगा।

1. इन शब्दों को किसने, किससे, किस सन्दर्भ में कहा और क्यों?

Scanned by CamScanner

एकांकी संचय

2. 'विजातीय भाभी' किसके लिए कहा गया है ? इस समय उसकी शारीरिक अवस्था कैसी है ?

3. क्या माँ अपने संस्कारों पर विजय पा सकी ? यदि हाँ तो कैसे ?

4. इस गद्यांश के आधार पर इस एकांकी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

IX "वह तमीज़ तो बस आप लोगों को है।"

1. यह वाक्य किसने और किससे कहा है ?

2. वक्ता का परिचय दीजिए।

3. यह प्रसंग किस समय का है ? कौन, किसे बता रहा है ?

4. इंदु कौन है ? वक्ता से उसका क्या सम्बंध है ?

X "बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं, बड़प्पन तो मन का होना चाहिए"

1. यह वाक्य कौन किससे कह रहा है ? प्रस्तुत वाक्य किस परिस्थिति में कहा गया है ?

2. वक्ता का श्रोता से क्या सम्बंध है ?

3. वक्ता की चारित्रिक विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

Scanned by CamScanner